भारत सरकार

गृह मंत्रालय

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 65*

दिनांक 29.04.2015/9 वैशाख, 1937 (शक) को उत्तर के लिए

देश में आपदाओं की वजह से हुआ नुकसान

***65. श्री मोहम्मद अली खान :**

क्या **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि संयुक्त राष्ट्र संघ की रिपोर्ट के अनुसार, देश को आपदाओं की वजह से प्रतिवर्ष लगभग 10 बिलियन डालर का नुकसान होता है जिसमें बाढ़ के कारण 7 बिलियन डालर से ज्यादा का नुकसान शामिल है; और

(ख) यदि हां, तो आपदा-वार एवं राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार, उसका ब्यौरा क्या है और इस पर सरकार की क्या टिप्पणियां हैं और प्रत्येक आपदा पर कितनी धनराशि व्यय की गई है?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री **(श्री किरेन रिजिजू)**

(क) और (ख) : एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है ।

दिनांक 29 अप्रैल, 2015 के राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या 65 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख) : संयुक्त राष्ट्र आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यालय (यू एन आई एस डी आर) की आपदा जोखिम न्यूनीकरण संबंधी वैश्विक आकलन रिपोर्ट (जी ए आर), 2015, भारत में जोखिम की स्थिति के अनुसार यह अनुमान लगाया गया है कि भारत में बहु-जोखिम आपदाओं से होने वाली औसत वार्षिक क्षति (ए ए एल) लगभग 9.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष है । इस औसत वार्षिक क्षति में से बाढ़ से होने वाली क्षति 7.4 बिलियिन अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष है । ये आंकड़े देश में पूर्व में आई बाढ़ों के प्रभाव का विश्लेषण नहीं हैं और इसकी जांच भारत सरकार ने नहीं की है ।

भारत सरकार ने आपदाओं से होने वाली आर्थिक क्षति का अनुमान लगाने के लिए कोई एजेंसी नियुक्त नहीं की है । प्राकृतिक आपदाओं के कारण हुई क्षति का आकलन संबंधित राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है क्योंकि प्राकृतिक आपदाओं के प्रबंधन के लिए वे प्राथमिक रुप से उत्तरदायी हैं । भवन सामग्री एवं प्रौद्योगिकी प्रोत्साहन परिषद् (शहरी विकास एवं गरीबी उपशमन मंत्रालय) द्वारा प्रकाशित भारत का संवेदनशीलता-एटलस के अनुसार, भारत विभिन्न प्रकार की आपदाओं की दृष्टि से संवेदनशील है, उदाहरण के तौर पर इसकी 58.6 % भूमि भूकंप, 8.5 % चक्रवात तथा 5% भूमि बाढ़ की दृष्टि से संवेदनशील है ।

****